मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना

चर्चा में क्यों?

कोवडि-19 महामारी के मद्देनजर मध्य प्रदेश में हज़ारों बच्चों को अपने माता-पिता को खोने का विनाशकारी दुख का सामना करना पड़ा।

- राज्य सरकार ने **मध्य प्रदेश के कोवडि अनाथ बच्चों** के लिये **वित्तीय सहायता** और **मुफ्त शिक्षा** का वादा किया था, लेकिन इनमें से कई प्रतिबद्धताएँ पूरी नहीं हो पाईं, जिससे बच्चे संकट में हैं।

प्रमुख बिंदु

- मई 2021 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की थी कि जिन बच्चों ने **कोवडि-19** के कारण अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य को खो दिया है, उन्हें **5,000 रुपए प्रतिमाह** और **मुफ्त शिक्षा** मिलेगी।
- इस पहल का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को कुछ राहत प्रदान करना तथा यह सुनिश्चित करना था कि बच्चे बिना किसी वित्तीय बोझ के अपनी शिक्षा जारी रख सकें।
    - इन वादों के बावजूद, विभिन्न लाभार्थियों को एक वर्ष से अधिक समय से वित्तीय सहायता नहीं मिली है।
- सरकार ने इन बच्चों के लिये दो योजनाएँ शुरू की थीं: **स्पॉन्सरशिप योजना** और **मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना**। इन योजनाओं के तहत, प्रत्येक बच्चे को **5,000 रुपये प्रतिमाह** दिये जाने का प्रावधान था।
    - हालाँकि, धनराशि का वितरण असंगत रहा है, और कई बच्चों को जनवरी 2023 से कोई धनराशि नहीं मिली है।
- बच्चों को उनके स्वास्थ्य देखभाल खर्च को पूरा करने के लिये आयुष्मान भारत कार्ड देने का भी वादा किया गया।
    - हालाँकि, इनमें से कई कार्ड सक्रिय नहीं किये गए हैं, जिससे बच्चों को वादे के अनुसार चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mukhyamantri-bal-ashirwad-yojana